प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका यात्रा के समापन पर कारोबारियों को संबोधित किया

अमेरिकी उद्यमियों को निवेश का न्योता

आह्वान

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उद्यमियों का आह्वान करते हुए कहा कि यह समय भारत में निवेश करने का है, क्योंकि भारत-अमेरिका की सरकारों ने दोनों देशों के व्यापारिक समुदाय के लिए जमीन तैयार कर दी है। अब इसका लाभ उठाने की जिम्मेदारी कॉरपोरेट क्षेत्र और प्रस्तावकों की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के सबसे युवा राष्ट्र भारत के पास सबसे बड़ा युवा प्रतिभा वाला कुशल एवं पेशेवर कार्यबल है। इस समय जो भी देश भारत से जुड़ेगा, उसे लाभ होना तय है।

मोदी ने वाशिंगटन के केनेडी सेंटर में शुक्रवार को भारत और अमेरिका के शीर्ष कारोबारियों एवं समाज सेवियों के साथ-साथ भारतीय-अमेरिकी समुदाय के अन्य प्रमुख सदस्यों को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी सहूलियत पर नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास, साझा प्रतिबद्धताओं और संवेदनाओं पर आधारित है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमेरिका की उनकी पहली आधिकारिक राजकीय यात्रा के दौरान पिछले तीन दिनों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी स्थित कैनेडी सेंटर में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उनसे हाथ मिलाने और सेल्फी लेने के लिए लोग उत्सुक दिखे। ● एएनआई

अमेरिका सौ से अधिक पुरावशेष वापस करेगा

मोदी ने सौ से अधिक पुरावशेषों को वापस करने के अमेरिकी सरकार के फैसले पर भी प्रसन्नता जाहिर की, जो अवैध तरीके से भारत से बाहर ले जाए गए थे। उन्होंने कहा, भारतीय मूल की ये पुरावशेष वस्तुएं सही या गलत रास्तों से अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच गई थीं, लेकिन अमेरिका द्वारा इन्हें भारत को लौटाने का फैसला दोनों देशों के बीच भावनात्मक संबंध को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं इसके लिए अमेरिकी सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। मालूम हो कि वर्ष 2022 में भी अमेरिकी अधिकारियों ने 307 पुरावशेषों को भारत को लौटाया था, जो तस्करों द्वारा चुराए गए थे, जिनकी कीमत लगभग 33 करोड़ रुपये से अधिक थी।

दोनों देश विश्वसनीय साझेदार के रूप में आगे बढ़ रहे : यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मोदी ने कहा कि रक्षा से लेकर विमानन, व्यावहारिक सामग्री से लेकर निर्माण और आईटी से लेकर अंतरिक्ष क्षेत्र तक, भारत और अमेरिका अब सबसे विश्वसनीय साझेदार के रूप में आगे बढ़ रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 1,000 दिग्गज पेशेवरों ने भाग लिया। मोदी ने कहा कि भारत की हर विकास परियोजना अमेरिकी सपने को और मजबूती देने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि भारत बुनियादी ढांचे के विकास में रिकॉर्ड 125 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत की विकास गाथा में अमेरिका और देश के कॉरपोरेट समुदाय के लिए असीमित अवसर हैं।